डी॰ ए॰ वी इंटरनैशनल स्कूल

कार्य पत्रिका - हिन्दी

कक्षा - दसवीं अर्थ ग्रहण संबंधी क्रमांक -

अब हालदार साहब को बात कुछ-कुछ समझ में आई। एक चश्मेवाला है जिसका नाम कैप्टन है। उसे नेताजी की बगैर चश्मेवाली मूर्ति बुरी लगती है। बल्कि आहत करती है, माना चश्मे के बगैर नेताजी को असुविधा हो रही हो। इसलिए वह अपनी छोटी-सी दुकान में उपलब्ध गिने-चुने फ्रेमों में से एक नेताजी की मूर्ति पर फिट कर देता है। लेकिन जब कोई ग्राहक आता है और उसे वैसे ही फ्रेम की दरकार होती है जैसा मूर्ति पर लगा है तो कैप्टन चश्मेवाला मूर्ति पर लगा फ्रेम–संभवत: नेताजी से क्षमा माँगते हुए–लाकर ग्राहक को दे देता है और बाद में नेताजी को दूसरा फ्रेम लौटा देता है। वाह! भई खूब! क्या आइडिया है।

(पृष्ठ 61-62)

क्या सचमुच चश्मेवाले को नेताजी की बगैर चश्मेवाली मूर्ति बुरी लगती है? सतर्क उत्तर दीजिए।
चश्मेवाला अपने चश्मे कैसे बेचता है?
चश्मेवाला मूर्ति पर चश्मा क्यों लगाता है?
चश्मेवाला मूर्ति का चश्मा बदल क्यों देता है?
चश्मेवाला नेताजी से क्षमा क्यों माँगता है?
हालदार किस बात पर खुश होता है?
हालदार सही सोच का आदमी है–सिद्ध कीजिए।

Q निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए -

1 'नेता जी का चश्मा' नामक पाठ आपको क्या संदेश देता है?

2 देश-प्रेम किस तरह से प्रकट होता है - इस पाठ के आधार स्पष्ट कीजिए।

3 इस पाठ में नगरपालिका पर क्या व्यंग्य है?

4 नेता जी की मूर्ति कैसी लग रही थी?

5 'नेता जी का चश्मा' के आधार पर कैप्टन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

डी. ए. वी. इंटरनैशनल स्कूल

कार्य पत्रिका - हिन्दी

कक्षा - दसवीं   अर्थ ग्रहण संबंधी   क्रमांक

प्रश्न—निम्नलिखित पदों को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

1.
ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति-नदी मैं पाउँ न बोर्‌यौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।।

1 प्र गोपियाँ उद्धव को भाग्यवान क्यों मानती हैं?

2 प्र 'प्रीति नदी में पाऊँ न बोर्‌यौ' का भाव स्पष्ट कीजिए।

3 प्र गोपियों ने अपनी तुलना किससे की है और क्यों?

2 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए -

1 सूरदास के पदों के आधार पर गोपियों की मनोदशा पर प्रकाश डालिए।

2 'मन की मन ही माँझ रही' में गोपियों के द्वारा किस जीवन-सत्य का बोध होता है?

3 'हरि हैं राजनीति पढ़ आए' में जीवन की किस प्रवृत्ति पर व्यंग्य है?

4 सूरदास किस भक्ति मार्ग के समर्थक थे - प्रमाणित

डी. ए. वी इंटरनेशनल स्कूल

कार्य पत्रिका - हिन्दी

कक्षा - दसवीं

व्याकरण - (रचना दृष्टि से वाक्य परिवर्तन)

क्रमांक -

1. *निम्नलिखित वाक्यों को सरल/साधारण वाक्यों में बदलिए।*

(i) उसने अपने हाथ इस तरह ऊपर उठाए, जैसे ईश्वर से कुछ माँग रहा हो।
(ii) उसने मुझसे कहा कि माँ को बुलाओ।
(iii) मैंने एक व्यक्ति को देखा, जो छोटा और मोटा था।
(iv) जब तक मेरा मित्र नहीं आएगा, मैं कहीं नहीं जाऊँगा।
(v) जो व्यक्ति परिश्रम करता है, उसे सफलता मिलती है।
(vi) अध्यापक चाहता है कि उसके शिष्य अच्छे बनें।
(vii) मेरा विचार है कि आज कहीं घूमने चलें।
(viii) वह घर गया और सो गया।
(ix) वह बेईमान है अत: शीघ्र पकड़ा जाएगा।
(x) बादल घिर आए और वर्षा होने लगी। (CCE 2013)
(xi) मेरे बगीचे में हरी घास है, उस घास पर बच्चे खेलते रहे है
(xii) मैं चाहता हूँ कि मैं अपनी संतान को योग्य बनाऊँ। (CCE 2013)
(xiii) इतवार को हड़ताल है। बाज़ार बंद रहेगा। (CCE 2013)
(xiv) वह ऐसे चल रही थी, जैसे कोई बीमार चल रहा हो। (CCE 2013)
(xv) होरी गरीब किसान है और उसके पास बैल नहीं हैं। (CCE 2013)

2. *निम्नलिखित वाक्यों को संयुक्त वाक्यों में बदलिए।*

(i) मैंने उसे पढ़ाकर नौकरी दिलवाई।
(ii) वह खाना खाते ही खेलने चला गया।
(iii) कम रोशनी मे पढ़ने के कारण विद्यार्थी अपनी आँखें गँवा बैठा।
(iv) उसने नौकरी के लिए प्रार्थना-पत्र लिखा।
(v) वह फल खरीदने के लिए बाज़ार गया।
(vi) मेरी जो गाय काली है वह खेत में चर रही है।
(vii) यदि वह तेज़ दौड़ता तो जीत जाता।
(viii) माँ के डाँटने पर वह रूठ गया।
(ix) मेरे पाठ्यक्रम में गोदान नामक वह उपन्यास है, जिसे मुंशी प्रेमचंद ने लिखा है।
(x) लड़कियाँ नाच-गा रही हैं।
(xi) वह चौराहे पर खड़ा होकर उसकी प्रतीक्षा करने लगा। (CCE 2013)
(xii) धनी होने पर भी उसमें अभिमान नहीं है। (CCE 2013)
(xiii) मैंने जब विशाल की बात सुनी, तो मैं उस पर नाराज़ हो उठी।
(xiv) फूलदान नीचे गिरा । फूलदान टूट गया। (CCE 2013)
(xv) राहुल कल यहाँ आया, उसने निखिल से बात की, वह चला गया।

3. *निम्नलिखित वाक्यों को मिश्र वाक्यों में बदलिए।*

(i) तुम बस रुकने के स्थान पर चले जाओ।
(ii) फेरी लगाने वाला व्यक्ति कहाँ गया?
(iii) शीला ने एक पुस्तक माँगी और वह उसे मिल गई।
(iv) मोहन शास्त्री जी के घर हिंदी पढ़ने गया है।
(v) शिक्षक के सामने छात्र शांत रहते हैं।
(vi) मेहनत करने पर भी गरीबों को रोटी नहीं मिलती।
(vii) नीरजा ने कहानी सुनाई और नमिता रो पड़ी।
(viii) कम आय होने पर कम खर्च करना चाहिए।
(ix) छतरी वाले आदमी को बुलाओ।
(x) उसने मुझसे मामा जी के घर चलने के लिए कहा।
(xi) प्रतापी राजा अब निरंकुश हो गया है। (CCE 2013)
(xii) मेरे घर के पास एक बहुत पुराना बरगद का पेड़ है। (CCE 2013)
(xiii) परिश्रमी लोगों को अधिक समय तक निराश नहीं होना पड़ता।
(xiv) शेखर के पिता विद्यालय आए। वे प्रधानाचार्य से मिले।
(xv) धन आते ही घमंड हो जाता है। (CCE 2013)

4. *निम्नलिखित वाक्यों का रचना के आधार पर वाक्य भेद बताइए।*

(i) जो व्यक्ति परिश्रमी होते हैं, वे अच्छे लगते हैं।
(ii) प्रात: काल होने पर चिड़िया चहचहाने लगती हैं।
(iii) मालिक ने कहा कि कल छुट्टी रहेगी।
(iv) जिन बच्चों ने शोर मचाया था, उन्हें पकड़ लिया है।
(v) यद्यपि वह मंत्री बन गया है, फिर भी उसका व्यवहार पूर्ववत है।
(vi) संन्यासी ने आशीर्वाद दिया और अंतर्ध्यान हो गया।
(vii) जल्दी आओ और काम निपटाकर चले जाओ। (CCE 2013)
(viii) पिताजी के जीवन की धुरी का यह सिद्धांत था कि व्यक्ति को समाज में विशिष्ट बनकर रहना चाहिए। (CCE 2012)
(ix) हमने उसका पत्र पढ़ा और सबको उसकी कुशलता का समाचार दिया। (CCE 2013)
(x) सूर्योदय होते ही कुहासा जाता रहा। (CCE 2013)
(xi) जो व्यक्ति मधुरभाषी होता है उसे सभी चाहते हैं।
(xii) मैं अपना काम अवश्य कर लेता पर मैं बहुत व्यस्त था।
(xiii) जैसे उसका रहस्य खुला वह भाग खड़ा हुआ। (CCE 2013)
(xiv) *जो विद्यार्थी परिश्रम करते हैं वे सदा सफल होते हैं।* (CCE 2013)
(xv) ज्ञान बिना गति नहीं। (CCE 2013)

डी॰ ए॰ वी इंटरनेशनल स्कूल

कक्षा - दसवीं

कार्य पत्रिका - हिन्दी

क्रमांक -

व्याकरण - वाच्य परिवर्तन

1. निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन करें।
(i) अध्यापक ने हमें आज नया पाठ पढ़ाया। (कर्मवाच्य)
(ii) मैं बैठ नहीं सकता। (भाववाच्य)
(iii) मैं यह भाषा नहीं पढ़ा सकूँगा। (कर्मवाच्य)
(iv) उसके द्वारा हमें मूर्ख समझा जाता है। (कर्तृवाच्य)
(v) रोगी से दवाई नहीं खाई जा रही है। (कर्तृवाच्य)
(vi) बच्चे खेलेंगे। (भाववाच्य)
(vii) माँ ने पुत्र को सुला दिया। (कर्मवाच्य)
(viii) रातभर कैसे जागा जाएगा। (कर्तृवाच्य)
(ix) हमसे नहीं गाया। (भाववाच्य)
(x) अभी दिनेश टहल नहीं सकता। (भाववाच्य)
(xi) डाकुओं ने चौकी लूट ली। (कर्मवाच्य) (CCE 2012)
(xii) चिड़िया से उड़ा नहीं जाता। (कर्तृवाच्य) (CCE 2013)
(xiii) नेताजी द्वारा देश के लिए सब कुछ त्याग दिया गया। (कर्तृवाच्य) (CCE 2013)
(xiv) रेखा रस्सी नहीं कूदती। (भाववाच्य) (CCE 2012)
(xv) मैंने ही यह पुस्तक लिखी है। (कर्मवाच्य) (CCE 2012)

2. निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य पहचान कर भेद बताइए।
(i) मुझसे बोझ उठाया नहीं जाता।
(ii) राष्ट्रपति कल भाषण देंगे।
(iii) मेरा मित्र समस्या पर विचार कर रहा है।
(iv) अमित से दौड़ा नहीं जाता।
(v) बच्चे फुटबॉल खेल रहे हैं।
(vi) लड़कों के द्वारा विद्यालय साफ़ किया गया।
(vii) हम आज रात यहीं ठहरेंगे।
(viii) चलो, ठंडे पानी से नहाया जाए।
(ix) कल देर रात तक पढ़ा गया।
(x) देशद्रोही को देश निकाला दिया जाता था।
(xi) बच्चों से शोर नहीं मचाया गया।
(xii) भगवान हम सबकी रक्षा करता है।
(xiii) सरकार द्वारा शिक्षा पर बहुत व्यय किया जाता है।
(xiv) मूर्तिकार ने बड़ी सुंदर मूर्तियाँ बनाई हैं।
(xv) बीमारी के कारण उससे उठा भी नहीं जाता।